

Aviation Turbine Fuel price hiked by 5.6%, commercial LPG rate down ₹7 per cylinder

ATF price was increased by Rs 5,078.25/kilolitre to Rs 95,533.72/kl in Delhi

NEW DELHI: The price of Jet fuel, or ATF, on Saturday was hiked by a steep 5.6 per cent while the rate of commercial LPG that is used in hotels and restaurants was cut by Rs 7 per 19-kg cylinder in the monthly revision done in line with the benchmark international prices.

The aviation turbine fuel (ATF) price was increased by Rs 5,078.25 per kilolitre, or 5.6 per cent, to Rs 95,533.72 per kl in the national capital - home to one of the busiest airports in the country, according to state-



owned fuel retailers.

The hike follows a reduction in rates by 1.5 per cent in the previous revision on January 1.

Prior to that, prices were increased twice - Rs 2,941.5 per kl (3.3 per cent) on November 1,

and by Rs 1,318.12 per kl (1.45 per cent) on December 1, 2024.

The ATF price in Mumbai was increased to Rs 89,318.90 on Saturday, from Rs 84,511.93 per kl previously. Oil firms also reduced the price of commercial LPG by Rs 7 to Rs 1,797 per 19-kg cylinder in Delhi.

This is the second reduction in the rate after five straight monthly hikes in commercial LPG price. The price was cut by Rs 14.5 per 19-kg cylinder at the last revision on January 1, 2024.

In five price hikes prior to

the two rounds of cuts this year, commercial LPG rate had been hiked by Rs 172.5 per 19-kg cylinder.

Commercial LPG now costs Rs 1,749.50 per 19-kg cylinder in Mumbai, Rs 1,907 in Kolkata and Rs 1,959.50 in Chennai. Prices of ATF and LPG differ from state to state depending on the incidence of local taxes including VAT.

The rate of cooking gas used in domestic households, however, remained unchanged at Rs 803 per 14.2-kg cylinder. PII

Govt eyes ₹69k cr from PSU dividend

Gulveen Aulakh

gulveen.aulakh@livemint.com

The government expects to bring in ₹47,000 crore through disinvestment and asset monetisation in FY26, which is lower than the ₹50,000 crore it expects to get in FY25, according to estimates in the Budget documents. The estimate, which has been categorised under 'miscellaneous capital receipts for FY26' is higher than the revised estimate for FY25, which has been lowered to ₹33,000 crore, the documents revealed.

The government is also maintaining its strategy of not having a separate disinvestment target, which began with the budget of February 2024. The lower estimate of FY26 compared with FY25 underscores the government's approach of taking a limited number of assets to the market for strategic disinvestment and minority stake sales.

“Last year's [general] elections slowed down the process. My sense is asset monetisation will be pursued in a big way this year as they embark on the

second phase,” said Madan Sabnavis, chief economist at Bank of Baroda.

The department of investment and public asset management (Dipam) is going ahead with its disinvestment of IDBI Bank, which will spill over to FY26 as the financial bidders are identified and approved by the Reserve Bank of India.

Stake sales in BEML, Shipping Corp. of India, HLL Lifecare Ltd, and Project & Development India Ltd are also ongoing, but most are progressing slowly. Stake sales in other entities such as Container Corp. of India are yet to be taken up, while some—including those of Bharat Petroleum Corp. Ltd and Pawan Hans—have been scrapped.

The government said it intends to look at disinvestment and dividends holistically, since dividends from public-sector stocks that would otherwise have been sold will add to its overall receipts. It will continue with its strategy of focusing on wealth creation and creating value for shareholders.

For an extended version of this story, go to livemint.com.

Oil's not well in home LPG sector

Budget delivered a double whammy to state-run fuel retailers by reducing the domestic LPG subsidy from Rs 14,700 crore in 2024-25 to Rs 12,100 crore in 2025-26 without any compensation to offset their losses on this count. IndianOil, Bharat Petroleum and Hindustan Petroleum have cumulatively run up losses of Rs 29,152 crore in the first nine months of the current fiscal as they continued to sell domestic LPG at govt rates despite an increase in market rates. These losses are expected to go up.



FOUR SHOPS CHARRED

Over 60 LPG cylinders loaded in truck explode in Gzb; no casualties

GHAZIABAD: More than 60 cooking gas cylinders loaded in a truck en route to Ghaziabad blew up in an explosion early Saturday, the fire department said.

The explosion was caused by a fire around 4 am, likely due to friction in the cylinders, officials said.

At least four furniture shops in the vicinity turned into ashes and some vehicles parked nearby also got burned, they said.

Chief Fire Officer Rahul Pal said that it took more than eight fire tenders around 90 minutes to douse the flames. No casualties were reported.

The sound of the explosion and the consequent mayhem sent people nearby scampering to safety, with many vacating their houses.

According to officials, when the driver noticed the fire, he parked the truck near

a petrol pump. Soon after, the blasts happened, and the staff deserted the pump, which was also later shut.

Eyewitnesses said a few cylinders fell into the petrol pump premises but did not explode.

Dinesh Kasana, an office bearer of the district unit of the BJP, claimed that around 100 cylinders exploded.

BJP Loni MLA Nand Kishore Gurjar demanded a probe into the blast.

“The officers of the gas refilling plant must be punished. It could be a danger to Hindon air base,” he said, referring to the base situated at an aerial kilometre distance away from the blast site.

Khatuali MLA Madan Bhaiyya, who lives in Loni, expressed his concerns about the presence of three petroleum companies in the Teela Morh area. “A major accident may occur anytime.”

AGENCIES

ऊर्जा योजनाओं के लिए खोला खजाना



ऊर्जा

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025-26 में देश में ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए वर्ष 2047 तक भारत में सौ गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करने के महत्वकांक्षी लक्ष्य का ऐलान किया है। वित्त मंत्री ने बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा की अलग-अलग योजनाओं के लिए 48,396 करोड़ का प्रावधान किया है। यह पिछले वर्ष के मुकाबले करीब तीस फीसदी अधिक है।

उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निजी क्षेत्र के साथ सक्रिय भागीदारी के लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम में संशोधन किया जाएगा। इसके अलावा बजट में पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के लिए 20 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश में परमाणु ऊर्जा बढ़ाने की घोषणा के साथ ऊर्जा से जुड़े दूसरे मंत्रालयों के बजट में वृद्धि की है। वित्त मंत्री ने बिजली मंत्रालय के लिए 21,847 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जबकि पिछले वर्ष यह 20,502 करोड़ रुपये था।

वित्त मंत्री ने पेट्रोलियम मंत्रालय के बजट में भी इजाफा किया है। वर्ष 2025-26 के लिए 19,326.90 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। जबकि पिछले वर्ष पेट्रोलियम मंत्रालय को 15,930 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने निजी क्षेत्र के साथ मिलकर परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा देने की घोषणा की है।

परमाणु ऊर्जा मंत्रालय के बजट में पिछले वर्ष के मुकाबले मामूली कमी आई है। बजट में सरकार का पूरा ध्यान ग्रीन एनर्जी पर दिखा। इसी को ध्यान में रखते हुए बिजली और ऊर्जा क्षेत्र के बजट में बढ़ोतरी की गई है। सरकार परमाणु के साथ सौर ऊर्जा पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके लिए खाका तैयार किया जा रहा है।



परमाणु ऊर्जा मिशन के लिए 20 हजार करोड़



परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए छोटे मॉड्यूलर रिपक्टर के शोध व विकास के लिए 20 हजार करोड़ की लागत से एक परमाणु ऊर्जा मिशन स्थापित किया जाएगा।

कई महत्वपूर्ण खनिज को मूल सीमा शुल्क से राहत



कोबाल्ट पाउडर, अपशिष्ट, लिथियम-आयन बैटरी के स्कैप, सीसा, जस्ता के अलावा 12 और महत्वपूर्ण खनिजों को मूल सीमा शुल्क में छूट देने का प्रस्ताव किया गया। इससे रोजगार बढ़ेगा।

बिजली क्षेत्र में सुधार

बिजली वितरण सुधारों को प्रोत्साहन मिलेगा। राज्य अंतर-राज्य पारेषण क्षमता बढ़ाएंगे, इससे बिजली कंपनियों की वित्तीय सेहत में सुधार होगा।



₹ 0.5 % राज्य एजेंसियों से उधार ले सकेंगे

100 गीगावाट का लक्ष्य

परमाणु ऊर्जा मिशन के तहत 2047 तक 100 गीगावाट के विकास का लक्ष्य। निजी क्षेत्र संग भागीदारी के लिए कानून में संशोधन किया जाएगा।



462 गीगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा देश में

सरकार का ईवी बैटरी निर्माण पर खास ध्यान



ईवी बैटरी निर्माण के लिए 35 और मोबाइल फोन बैटरी निर्माण के लिए 28 अतिरिक्त पूंजीगत सामान को शुल्क से छूट। इससे लिथियम-आयन बैटरी के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

संतुलित तरीके से आगे बढ़ रही सरकार

ऊर्जा सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। सरकार का लक्ष्य देश को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है लेकिन यह एकदम नहीं हो सकता। इसलिए सरकार संतुलित तरीके से आगे बढ़ रही है। सरकार की कोशिश है कि इस बदलाव का बोझ आम आदमी पर नहीं पड़े। इसलिए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी क्षेत्रों के बजट में वृद्धि की है।

इस बजट में सरकार ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में निजी क्षेत्र के लिए भी दरवाजे खोले हैं। अभी तक सिर्फ सरकार इस क्षेत्र में निवेश कर रही थी। इस क्षेत्र में बहुत पैसे की जरूरत होती है और सरकार अकेले इतना बड़ा निवेश नहीं कर सकती। इसलिए, सरकार ने निजी क्षेत्र को शामिल करने का फैसला किया है। इससे परमाणु ऊर्जा के उत्पादन में

विशेषज्ञ की राय

नटेंद्र तनेजा
ऊर्जा विशेषज्ञ



वृद्धि होगी। सबसे अहम बात यह है कि अभी हमारे पास वैकल्पिक ऊर्जा के तौर पर सौर ऊर्जा सबसे अहम है। पर हम हर वक्त सौर ऊर्जा प्राप्त नहीं कर सकते। इसलिए, हमें कोयला या परमाणु ऊर्जा की जरूरत है। परमाणु ऊर्जा हरित ऊर्जा में आता है। इसलिए, सरकार ने इसे आगे बढ़ाने का फैसला लिया है। देश में जैसे जैसे परमाणु ऊर्जा में वृद्धि होगी, परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को भी बिजली मंत्रालय के अधीन कर दिया जाएगा। अभी यह प्रधानमंत्री कार्यालय में आता है। अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए हम बहुत हद तक

आयात पर निर्भर है। आयात कम करने का एक ही तरीका है कि हम वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा दें। इसलिए, वित्त मंत्री ने बजट भाषण में सौ गीगावॉट परमाणु ऊर्जा का लक्ष्य रखा है। सरकार पारंपारिक ऊर्जा को भी बढ़ावा दे रही है। जब तक हम वैकल्पिक ऊर्जा के लक्ष्यों को हासिल नहीं कर लेते यानी पारंपारिक ऊर्जा के आसपास नहीं पहुंच जाते, तब तक विकास के लिए हमें पारंपारिक ऊर्जा पर निर्भर रहना होगा। इसलिए सरकार ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा के साथ ऊर्जा मंत्रालय के आवंटन में भी वृद्धि की है।